

पुस्तके जो अमर हैं।

प्र. 9 रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

अ) शांति तो बस ऐसे ही बनी रह सकती है।

आ) उसने आदेश दिया कि सारी पुस्तके नष्ट कर दी जाएँ।

इ) सम्राट के आदमियों ने शत्रु का चप्पा-चप्पा धान मारा।

ई) छठी शताब्दी में नालंदा विश्वविद्यालय उन्नति के शिखर पर था।

उ) यह अनमोल पुस्तकालय सातवीं शताब्दी में जानबुझकर जला दिया गया।

क) ऐसे भी लोग हैं जिन्हें पुस्तके प्राणों से भी प्यारी होती हैं।

ए) "कागज ही जलता है, शब्द तो उड़ जाते हैं।"

ऐ) साहित्य की दृष्टि से भारत का अतीत महान है।

प्र. 10 एक-एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) चीनी सम्राट का नाम क्या था?

सी स्यांग ती यह नाम चीनी सम्राट का था।

आ) चीनी सम्राट को अपनी प्रजा से नाराजगी क्यों थी?

चीनी सम्राट को नाराजगी थी किने कितने कितने क्यों पढ़ते हैं और जो पढ़ नहीं सकते वह सुनते क्यों हैं?

इ) शांति कैसे बनी रह सकती है? ऐसे राजा को लगता था।

प्रजा मेहनत करे और राजा की कही बात मानले ऐसे राज्य में शांति बनी रहेगी।

ई) राजा ने कौनसा आदेश जारी किया?

राज्य कि सारी कितने नष्ट की जाए देश आदेश राजा ने जारी किया

उ) नालंदा विश्वविद्यालय के साथ कौनसी घटना घटी थी?

नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के नीचे विभागों को आक्रमणकारियों जला दिया।

क) पांडुलिपीयों किस देश के पुस्तकालय में थी?

पांडुलिपियाँ सिंदूर नगर के पुस्तकालय में थीं।

ए) डेनिश पादरी वेन जोसेफ अकीबा के अंतिम शब्द कौनसे थे?

“कागज ही जलता है, शब्द तो उड़ जाते हैं।” यह अंतिम शब्द डेनिश पादरी के थे।

ए) पुराने जमाने में भारत में किस भाषा का प्रयोग किया जाता था?

पुराने जमाने में भारत में संस्कृत भाषा का प्रयोग किया जाता था।

प्र. 3) दिए गए वाक्य सही हैं या गलत वह लिखें।

अ) श्रीमती सम्राट श्री द्यांग ती को अपने पुत्र से नाराजगी थी। सही

आ) राजा को पुस्तकों से लगाव था। गलत

इ) श्रीमती की सारी पुस्तकें दौड़ते-दौड़ते में छिन दी गईं। सही

ई) घेन-त्सांग नालेंदा विश्वविद्यालय में पढ़ता था। सही

उ) हमारे यहाँ किसको श्री पुस्तकें प्रिय नहीं हैं। गलत

ऊ) भारत में पुराने जमाने में संस्कृत भाषा का उपयोग किया जाता था। सही

ए) प्राचीन भारत का विज्ञान दूर देशों में फैला हुआ है। सही

प्र. 4) निचे दिए शब्दों के अर्थ लिखें।

अ) सम्राट - राजा

आ) पुत्र - बच्चा

इ) आदेश - हुकूम

ई) अध्ययन - अध्यास

उ) भवन - इमारत

ऊ) योग्यता - धार पट

ए) दर्शनशास्त्र - परम, सत्य और

सिद्धान्तों की कारणों की

विवेचना

ए) उल्लंघनी - प्रगती

आ) प्रातिन - भूतकाल

उ) शक - संदेह